कहाँ है मदन पालीवाल?
हाँगकाँग,सिंगापुर या हिंदुस्तान??

पर्यटन या फिर गिरफ्तारी का डर??

मदन पालीवाल और प्रकाश पुरोहित की गिरफ्तारी के मामले मे डीजीजीआई के आला अधिकारियों ने साधी चुप्पी!!!

देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ... ™
JAWAB DO SARKAR
www.jawabdosarkar.com
(A Digital Media Initiative to promote Accountability)
जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल
वॉल्यूम न.– 2021/kdgl/08 E-Newsletter, Issued in Public Interest बुधवार, 15 दिसम्बर 2021

डीजीजीआई द्वारा अक्टूबर माह मे की गयी कार्यवाही के बाद नवंबर से नहीं दिखे मदन पालीवाल!!

आखिरी बार नवंबर माह मे मुंबई एयरपोर्ट पर दिखे!!! हाँगकाँग,सिंगापुर जाने की खबर!!!!

विशेष रिपोर्ट-4

क्या अभी भी हाँगकाँग है या फिर और कहीं और?

क्या प्रकाश पुरोहित भी इनके साथ या वह कहीं और?

डीजीजीआई के आला अधिकारी ना मिल रहे और नहीं दे रहे किसी प्रकार की सूचना!!!

दोनों की गिरफ्तारी के मामले मे साधी चुप्पी!!!

अब देश के प्रधानमंत्री ,गृह मंत्री और वित्त मंत्री को की जाएगी सीबीआई,आयकर विभाग,प्रवर्तन निदेशालय,डीजीजीआई की संयुक्त जांच कमिटी बनाकर पूरे मामले मे कार्यवाही करने की गुहार!!!

*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

मदन पालीवाल और प्रकाश चंद पुरोहित के देश से बाहर होने की खबर|

विश्वस्त सूत्रों के अनुसार कंपनी के फाउंडर मदन पालीवाल को पिछले अक्टूबर माह मे डीजीजीआई के छापो की कार्यवाही के बाद पिछले नवंबर माह मे मुंबई हवाई अड्डे पर आखिरी बार देखा गया था|उसके बाद उनके सिंगापुर या हाँगकाँग जाने की पुख्ता खबर सामने आयी है|जानकारो के अनुसार या तो मदन पालीवाल सिंगापुर या हाँगकाँग है या फिर वहाँ से कहीं और चले गए है|वैसे उनके USA जाने की भी खबर आ रही है|इस बात की खबर सामने नहीं आ रही है कि प्रकाश पुरोहित उनके साथ है या फिर वह कहीं और मौजूद है?वैसे तो नवंबर के बाद उनको भी सार्वजनिक रूप से कहीं देखा नहीं गया है|ऐसे मे अटकले लगाई जा रही है कि वह भी दूसरे किसी हवाई रूट से पहुँचकर मदन पालीवाल के साथ ही मौजूद है|

अब ऐसा तो संभव नहीं है कि विभाग कंपनी के विरुद्ध 1032 करोड़ का डिमांड नोटिस निकाल कर बैठा हो और कंपनी के कर्ता-धर्ता देश से बाहर पर्यटन कर रहे हो|ऐसे मे यह बात सामने आ रही है कि डीजीजीआई द्वारा गिरफ्तारी के डर से यह दोनों देश नहीं आ रहे है और मामला ठंडा होने का इंतजार कर रहे है|

जानकारो के अनुसार इन दोनों को पूरी उम्मीद थी कि यदि 869 करोड़ की चोरी के मामले मे डीजीजीआई की गिरफ्त मे आए विनयकान्त आमेटा और धन्जय सिंह को जमानत मिल जाती तो इन दोनों की गिरफ्तारी भी टल सकती थी|लेकिन माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा आर्थिक अपराधियों को देश की अर्थव्यवस्था के प्रति गंभीर खतरा मानते हुए, इन दोनों की जमानत अर्जी खारिज कर देने से इन दोनों की मुश्किले बढ़ गयी है|और इन पर लगातार गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है|

जानकारो के अनुसार मदन पालीवाल का एक पैर सिंगापुर,हाँगकाँग मे ही रहता है|अक्सर उन्हे वहाँ पर देखा जा सकता है|

ऑपरेशन कर्क: गुटखा कारोबारियों पर कार्रवाई के बाद खुलासा

400 करोड़ की कर चोरी, मास्टरमाइंड ने प्रॉपर्टी और मीडिया में खपाया काला धन

- तीन आरोपी गिरफ्तार, 25 करोड़ की सामग्री और मशीनरी जब्त
- लॉकडाउन में प्रेस लिखे वाहन से हो रही थी गुटखा की तस्करी
- महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के ग्रामीण इलाकों में खपाया ज्यादातर माल

मर्द छाप तंबाकू का मालिक टैक्स चोरी में गिरफ्तार: कानपुर में GST की खुफिया विंग ने घर पर मारा छापा, 1.29 करोड़ रुपए बरामद; 18 करोड़ की चोरी पकडी

एमपी,यूपी मे जीएसटी चोरी के मामले मे असली कर्ता धर्ता कानून की गिरफ्त मे लेकिन राजस्थान मे 1032 करोड़ की जीएसटी चोरी के मामले मे मिराज समूह के कर्ता-धर्ता श्री मदन पालीवाल और प्रकाश पुरोहित कानून की पकड़ से बहुत दूर|

जैसा कि पिछले सालों मे देश के विभिन्न राज्यों एमपी,यूपी मे गुटखे की जीएसटी चोरी के मामलो मे जीएसटी की स्थानीय विंग द्वारा बड़ी कार्यवाही करते हुए जीएसटी चोरी करने वाले असली कर्ताधर्ताओं को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा कर,ना केवल चोरी की गयी रकम भरवाई गयी है बल्कि असली रसुखदारों को गिरफ्तार कर यह कडा संदेश भी दिया है कि जनता का पैसा चोरी करने वालों को कतई बक्क्षा नहीं जाएगा|

लेकिन राजस्थान मे ऐसे मामलो मे बात ही दूसरी सामने आ रही है|जैसा कि इस प्रकरण मे प्रस्तुत पूर्व के अंको मे खुलासा किया गया था कि किस प्रकार जीएसटी चोरी के दो समान मामलो मे कुल 1032 करोड़ की चोरी के पुख्ता सबूत डीजीजीआई की राजस्थान इकाई के हाथ लगने के बावजूद,महज डमी डायरेक्टर को गिरफ्तार कर,डिपार्टमेन्ट अपने गाल बजा रहा है|जबकि अपनी जमानत अर्जी मे गिरफ्तार विनयकान्त आमेटा द्वारा यही बात दोहराई जा रही है कि वह मात्र कंपनी के वेतनभोगी कर्मचारी है और कर चोरी से उसे कोई फायदा नहीं होने वाला था,इसलिए उसे जमानत दी जाए| प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत जमानत याचिका के कथन से सिद्ध होता है कि करोड़ो रुपयों की जीएसटी चोरी के लाभार्थी कोई और है|

लेकिन इसके बावजूद डीजीजीआई द्वारा नवीनतम 869 करोड़ की चोरी पकड़े जाने की कार्यवाही को किए डेढ़ महिना बीत जाने के बावजूद इस चोरी के मुख्य किरदार कंपनी के फाउंडर श्री मदन पालीवाल और ग्रुप के सीएमडी श्री प्रकाश चंद पुरोहित विभाग के समक्ष प्रस्तुत नहीं हुए है|जबकि डीजीजीआई केवल सम्मन-सम्मन जारी करने का खेल खेल रहा है|

127 करोड़ की कर चोरी में वाणिज्यकर के 4 अफसर निलंबित

नई दिल्ली। नोएडा की एक फर्म के साथ मिलीभगत कर 127 करोड़ रुपये की कर चोरी के मामले में योगी सरकार ने कड़ा कदम उठाते हुए वाणिज्य कर विभाग के चार अफसरों को निलंबित कर दिया है। ये चारों अधिकारी विशेष अनुसंधान शाखा (एसआईबी), नोएडा में तैनात थे। जिन अधिकारियों को निलंबित किया गया है, उनमें एडिशनल कमिश्नर ग्रेड-2 धर्मेंद्र सिंह, ज्वाइंट कमिश्नर दिनेश दुबे, डिप्टी

कमिश्नर मिथिलेश मिश्रा और असिस्टेंट कमिश्नर सोनिया श्रीवास्तव शामिल हैं। विभाग के अपर मुख्य सचिव संजीव मित्तल ने निलंबन की पुष्टि की है। मामला जनवरी 2020 का है। शासन को यह शिकायत मिली थी कि नोएडा स्थित तंबाकू की एक कंपनी ने बड़े पैमाने पर कर चोरी की है। इस आधार पर शासन ने मामले की प्रारंभिक जांच के निर्देश दिए थे। नोएडा के तत्कालीन एडिशनल कमिश्नर सीबी सिंह ने जांच कर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंप दी थी। इसमें फर्म द्वारा की गई कर चोरी के मामले में एसआईबी में तैनात इन सभी अधिकारियों की लिप्तता पाई गई है। इस रिपोर्ट के आधार पर शासन ने बृहस्पतिवार को सभी चारों अधिकारियों को निलंबित कर दिया। इनमें से तीन अधिकारी तो अभी भी नोएडा में ही तैनात हैं। वहीं, डिप्टी कमिश्नर मिथिलेश मिश्रा का सहारनपुर तबादला हो चुका है।

डीजीजीआई के राजस्थान मुख्यालय के आला अधिकारियों ने साधी चुप्पी|

इस पूरे मामले मे डीजीजीआई के राजस्थान मुख्यालय स्थित एक आला अधिकारी ने तो मानो होंटो पर ताला ही लगा लिया है|हमारे द्वारा इस गंभीर मामले मे जब उनसे मिलने की कोशिश की गयी तो उनके द्वारा अपने पीए से कहकर मिलने से ही इंकार करवा दिया गया|इतना ही नहीं विभाग के आला अधिकारी द्वारा तो हमारा प्रार्थना पत्र भी लेने मना करवा दिया गया|आला अधिकारी के पीए साहब ने यह नसीहत देते हुए हमारा प्रार्थना पत्र वापस कर दिया कि आप इसे डाक से भिजवाए तो ज्यादा ठीक होगा|

अब जिस विभाग का मुखिया ऐसे गंभीर मामलो मे जनता से मिलने से ही इंकार कर दे तो ऐसे मे उनसे कैसे आशा की जा सकती है कि वह इस मामले मे न्यायसंगत कार्य कर अपनी ज़िम्मेदारी का निर्वहन भली भांति कर रहे है|जबकि डीजीजीआई ऐसा संवेदन शील विभाग है जहां पर बाहरी खबरों/मुखबिरो की सूचना के आधार पर ही बड़ी कार्यवाहीयों को अंजाम दिया जाता है|

क्या मदन पालीवाल का देश छोड़कर विदेश चले जाना डीजीजीआई के अधिकारियों की नाकामी नहीं है?

मदन पालीवाल,प्रकाश पुरोहित के देश छोड़कर जाने की खबर और डीजीजीआई के अधिकारियों द्वारा हमसे कन्नी काटने की घटना से साफ तौर पर जाहिर होता है कि विभाग को इस बात की खबर लग चुकी है कि यह दोनों अब देश छोड़कर जा चूके है,हमारे द्वारा इन दोनों की गिरफ्तारी के लिए डाले जा रहे दबाव के चलते ही विभाग के आला अधिकारी अपनी नाकामी छुपाने के लिए ना तो हमसे मिल रहे है और नाही कोई जानकारी सार्वजनिक कर रहे है|यदि मीडिया द्वारा इस मामले को प्रमुखता से नहीं दिखाया जाता तो कंपनी के अधिकारी और विभाग के आला अधिकारी आपसी साँठ गांठ कर कबका इस मामले को फ़ाईलों मे दफन कर चुके होते|

क्या केंद्र सरकार जारी करेगा इन दोनों के विरुद्ध रेड कॉर्नर नोटिस?

जानकारो के अनुसार डीजीजीआई के अधिकारियों को इस बात की जानकारी मिलते ही कि कंपनी के दोनों कर्ता-धर्ता अब उनके हाथ से निकल चुके है,कंपनी का मेनेजमेंट देख रहे अन्य लोगो पर उनको पेश करने का दबाव बना रहे है|क्यूंकी यदि इस बात का खुलासा दिल्ली मे बैठे विभाग के अधिकारियों को हो गया तो जयपुर मे बैठे जिम्मेदार अधिकारियों पर गाज गिरना तय है|यदि ऐसा हुआ तो इन दोनों के विरुद्ध रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी करवाया जा सकता है|जानकारो के अनुसार कर चोरी के इस बड़े मामले मे विभाग के दिल्ली मे बैठे अधिकारी इस बात का जोखिम कतई नहीं लेना चाहेंगे क्यूंकि नीरव मोदी, मेहुल चोकसे और विजय माल्या जैसे आर्थिक अपराधियों के विदेश भाग जाने से पहले ही केंद्र सरकार विपक्ष के निशाने पर आ चुकी है|

जबकि इस मामले मे तो भाजपा शासित केंद्र सरकार मिराज ग्रुप के कर्ता-धर्ताओं को पकड़ने मे कोई कसर नहीं छोड़ेगी क्यूंकी मिराज ग्रुप का काँग्रेस से जुड़ाव जगजाहिर है|

किसी समय मदन पालीवाल से निकटता जाहिर करने वाले अब काट रहे कन्नी|

सूत्रों के अनुसार मदन पालीवाल के अच्छे समय मे उनसे निकटता जाहिर करने वाले अब उनसे कन्नी काट रहे है ऐसे मे उनकी मुश्किले और बढ़ती नजर आ रही है|उनकी और जयपुर के एक बड़े रियल स्टेट कारोबारी की निकटता भी जगजाहिर है और मदन पालीवाल द्वारा 2000 करोड़ के काले/सफ़ेद धन का निवेश राजस्थान,मुंबई और एनसीआर के रियल स्टेट प्रोजेक्टो मे किया गया है जिसकी भी जांच होनी शेष है|चूंकि काले धन की जांच करना डीजीजीआई के कार्यकरण का हिस्सा नहीं होकर प्रवर्तन निदेशालय के कार्यकरण का हिस्सा है अतः इस मामले को प्रवर्तन निदेशालय के संज्ञान मे भी लाया जा चुका है|

जवाब मांगते सवाल?

1. इस बात मे कितनी सच्चाई है कि मदन पालीवाल और प्रकाश पुरोहित देश मे मौजूद नहीं है?
2. यदि इस बात मे सच्चाई है तो क्या यह बात डीजीजीआई के आला अधिकारियों को मालूम है?
3. यदि डीजीजीआई के आला अधिकारियों को इस इस बात की जानकारी है तो अब तक इस मामले मे चुप्पी क्यूँ साधे बैठे है?
4. मिराज समूह द्वारा की गयी 1032 करोड़ की जीएसटी चोरी के मामले मे अब तक क्या प्रगति हुई है?
5. मिराज समूह के इन दोनों कर्ता-धर्ताओ को किसके रसूखातों के दम पर और क्यूँ बचाया जा रहा है?क्या वाकई इस मामले मे कोई डील चल रही है?